Seventeenth Loksabha

>

Ttile: Request for development of Sitamarhi Parliamentary Constituency.

श्री सुनील कुमार पिंटू (सीतामढ़ी): अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे सदन में पहली बार बोलने का मौका दिया । मैं आभार प्रकट करता हूँ अपने माननीय मुख्य मंत्री नीतिश कुमार जी का और देश के प्रधान मंत्री जी और साथ में बैठे गृह मंत्री जी का, जिन्होंने सदन तक पहुँचने में मुझे आशीर्वाद दिया । मैं आपके माध्यम से सीतामढ़ी जिले की पूरी जनता के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिनकी आवाज़ बन कर मैं आज इस सदन में खड़ा होकर कुछ बोलने की कोशिश कर रहा हूँ ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, सीतामढ़ी जो बिहार के नेपाल के बॉर्डर पर है, जो माँ सीता की जन्म स्थली है, जहाँ धरती से सीता जी प्रकट हुई थी ।

सीतामढ़ी का अयोध्या से एक इंच भी महत्व कम नहीं है । मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि सीतामढ़ी के स्थल को अयोध्या के बराबर का दर्जा दिया जाए ।

महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 104, जो अयोध्या से सीतामढ़ी आता है, वह रोड चकिया से सीतामढ़ी और सीतामढ़ी से सुरसंड होते हुए जनकपुर धाम, नेपाल जाती है । उस रोड की स्थिति जर्जर है । उस राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 104 पर एक कुम्मा स्थान है, जहाँ एन.एच. पर डाइवर्जन पिछले 40 सालों से मैं देख रहा हूँ । सीतामढ़ी को डेवलप करके वहाँ आने वाले पर्यटकों को हम सुविधा दे सकते हैं । इसके लिए रेलवे की कनेक्टिविटी जरूरी है । बगल के दरभंगा और मुजफ्फरपुर, जो एयरपोर्ट चालू होने वाला है, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहूँगा कि वह जल्द से जल्द चालू हो । दरभंगा, मुजफ्फरपुर और रक्सौल से चलने वाली ट्रेन को सीतामढ़ी तक जोड़ने का काम करें । आज सीता की जन्मस्थली पर बढ़ रहे अपराध भी एक चिंता का विषय है ।

माननीय अध्यक्ष : *m02 श्री जनार्दन सिंह सिग्रीवाल को श्री सुनील कुमार पिंटू द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री तीरथ सिंह रावत जी ।

श्री सुनील कुमार पिंटू: महोदय, मैं पहली बार बोल रहा हूँ । मुझे थोड़ा समय और दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : आप नेक्स्ट टाइम बोलिएगा ।